22

आनंदमयी कविता

चार दिशाएँ

उगता सूरज जिधर सामने
उधर खड़े हो मुँह करके तुम
ठीक सामने पूरब होता
और पीठ पीछे है पश्चिम
बायीं ओर दिशा उत्तर की
दायीं ओर तुम्हारे दक्षिण
चार दिशाएँ होती हैं यों
पूरब पश्चिम उत्तर दक्षिण।

—साभार, यू.पी. बोर्ड एवं
एस.सी.ई.आर.टी., यू.पी.

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26

बातचीत के लिए

1. आप दिशा का अनुमान कैसे लगाते हैं?
2. नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। इन शब्दों से अपनी-अपनी कहानी बनाइए और कक्षा में सुनाइए।

आकाश ओले बादल जंगल मिलकर जानवर शेर
हाथी लोमड़ी डर सुबह खुशी-खुशी नाचना पहाड़

खेल-खेल में

एक गोले में बैठकर इस गतिविधि को कीजिए–

1. आपके दाईं ओर कौन-कौन से मित्र बैठे हैं?
2. आपके बाईं ओर कौन-कौन से मित्र बैठे हैं?
3. बाईं ओर से आप किस नंबर पर हैं?
4. दाईं ओर से आप किस नंबर पर हैं?

आइए, कुछ बनाएँ

छोटे समूहों में चारों दिशाओं के नाम लिखे हुए कार्ड्स बनाइए और दीवारों पर सही जगह लगाइए। चारों दिशाओं के लिए कुछ चित्र भी बनाइए।

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26